टेक्नोलॉजी के युग में उभरते अवसरों पर की चर्चा

सम्मेलन में विचार व्यक्त करते विशेषज्ञ।

देहरादून। यूपीईएस में लीगल इंडस्ट्री के भविष्य को लेकर सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य रूप से लॉ विशेषज्ञों ने टैक्नोलाजी के युग में अधिवक्ताओं के उभरते अवसरों पर चर्चा की।

यूपीईएस में 'एडाप्ट या पेरिश' थीम पर आयोजित कार्यक्रम बाम्बे बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नितिन ठक्कर ने कहा कि युवा कानूनी पेशेवर टैक्नोलाजी का उपयोग के साथ ही भरपूर प्रयोग भी करते हैं। नए युग के लीगल टैक्नोलाजी साल्यूशंस को अपनाने के लिए मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता है। टैक्नोलाजी को केवल एक टूल के रूप में नहीं, बल्कि अपनी शिक्षा और अभ्यास के अभिन्न अंग के रूप में देखना चाहिए। टैक्नोलाजी का आधुनिकीकरण

■ यूपीईएस में लॉ विशेषज्ञों ने टेक्नोलाजी के प्रभाव पर की चर्चा

अधिवक्ताओं के लिए एफिशिएंसी बढ़ाने, लागत कम करने और स्ट्रेटेजिक प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करती है।

यूपीईएस स्कूल आफ लॉ के डीन डा. अभिषेक सिन्हा ने कहा कि टैक्नोलाजी के बदलते परिदृश्य में भावी अधिवक्ताओं के लिए अपने कार्यशैली में एआई जैसे उपकरणों को शामिल करना अनिवार्य है। लीगल एजुकेशन अभी काफी हद तक थ्यौरिटिकल बनी हुई है जिसे अधिक से अधिक प्रैक्टिकल एप्रोच की ओर ले जाने की जरूरत है। आने वाले वर्षों में क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए लीगल सेक्टर को इन इनोवेशंस को अपनाना चाहिए। इस दौरान डा. अभिषेक सिन्हा द्वारा संचालित एक पैनल चर्चा हुई, जिसमें खेतान एंड कंपनी, सिरिल अमरचंद मंगलदास, शार्दुल अमरचंद मंगलदास, धीर एंड धीर, किम्बर्ली-क्लार्क कारपोरेशन, रिलायंस इंडिया, रायज एंड कंपनी, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन, ओएनजीसी, एचएसई ग्रुप, लोइट, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, सोनी पिक्चर्स जैसी प्रमुख फर्मों के विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन यूपीईएस स्कूल आफ लॉ काफी टेबल बुक के लोकार्पण के साथ हुआ, जिसमें संस्थान और पूर्व छात्रों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है।

जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी लगातार आगे बढ़ रही है, लीगल इंडस्ट्री महत्वपूर्ण बदलावों का अनुभव कर रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लकचेन, अटोमेान और डिजिटल प्लेटफर्म जैसे इनोवेटिव लीगल सर्विसेज की डिलीवरी और पहुंच में क्रांति ला रहे हैं। कटाई एज लर्निंग टैक्नोलॉजी के इंटीग्रेान के मायम से, यूपीईएस स्कूल ऑफ ल आउटकम-बेस्ड शिक्षा, अडाप्टिबिलिटी और कलैबरेान पर जोर देता है, जो छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने वाले शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देता है।